4. निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों में आए हैं, लिखिए–

क. दोपहरी धीरे-धीरे अपना रूप बदल रही है/कम हो रही है।

देख दुपहरी ढलती जाती, छाया रूप बदलती जाती।

ख. दुनिया में आगे बढ़ने के लिए युद्ध-सा मचा हुआ है, आराम के लिए कोई स्थान नहीं है।

बल-पौरुष घुड़दौड़ यहाँ है, समर सतत, आराम कहाँ है।

ग. जो चीज़ें तुम्हें रोकती हैं, उन्हें कुचलकर आगे बढ़ता जा।

रख दे अंगारों के मुख पर, तू लोहे के पाँव मुसाफ़िर।

भाषा से

भाषा कौशल– शब्द प्रयोग, शब्द लेखन, शब्द निर्माण

बात शब्द की

1. रिक्त स्थान भरिए–

क. सूरज ......पूरब...... में उदय होता है और ......पश्चिम...... में अस्त होता है।

ख. मुसाफ़िर को हम ......राही...... भी कहते हैं।

ग. मुसाफ़िर को पेड़ की ......छाया...... छोड़कर निरंतर ......यात्रा...... करनी पड़ती है।

घ. अपने ......दृढ़...... कदमों से कठिनाइयों पर विजय पानी पड़ती है।

ङ. उसे ......निरंतर...... आगे बढ़ना होता है।

2. निम्नलिखित शब्दों के सामने लिखे पर्यायवाची शब्दों के आगे एक-एक पर्यायवाची और लिखिए–

पेड़	–	तरु, पादप,	वृक्ष
मुसाफ़िर	–	यात्री, राही,	पथिक
समर	–	युद्ध, जंग,	लड़ाई
डगर	–	राह, रास्ता,	मार्ग

3. देखिए, समझिए और लिखिए–

स	+	बल	–	सबल		बल	+	हीन	–	बलहीन
वि	+	जय	–	विजय		बल	+	वान	–	बलवान
परा	+	जय	–	पराजय		भला	+	ई	–	भलाई